बदलते मौसम के लिए अनुकूल आलू की लंबे समय तक खराब ना होने वाली 3 नई किस्में

आलू भारत की प्रमुख कंदीय फ़सल है। भारत करीब 5 से 6 करोड़ टन आलू का उत्पादन करता है और चीन के बाद विश्व का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।

बदलते मौसम को देखते हुए, 11 अगस्त, 2024 को नई दिल्ली में आलू की उच्च उपज और लंब समय तक खराब ना होने वाली तीन नई किस्मों को जारी किया गया। यह किस्में हैं — कुफरी चिपसोना-5, कुफरी जामुनिया और कुफरी भास्कर। इन किस्मों को भारत सरकार के केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला-हिमाचल प्रदेश ने तैयार किया है।

कुफरी चिपसोना-5 को हरियाणा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात राजस्थान और छत्तीसगढ़ में खेती के लिए सुझाया गया है। इसकी औसत पैदावार 35 टन प्रति हेक्टेयर है।

यह किस्म 90-100 दिन में तैयार हो जाती है। कुफरी चिपसोना-5 किस्म सफेद, क्रीमयुक्त, अंडाकार कंद, उथली मध्यम आंखें और मलाईदार मांस पैदा करती है। कोल्ड स्टोर में इसे लंबे समय तक भंडार किया जा सकता है।

यह किस्म प्रसंस्करण (या चिप्स बनाने) के लिए उपयुक्त है। इसमें शुष्क कंदीय पदार्थ ज़्यादा होता है। इसमें चीनी की मात्रा कम होती है। इसमें पछेती झुलसा रोग के प्रति मध्यम प्रतिरोध क्षमता है।

कुफरी जामुनिया किस्म की हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड के मैदानी इलाके, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, गुजरात, ओडिशा, असम, पश्चिम बंगाल और बिहार में खेती के लिए सिफ़ारिश की गई है।

गहरा बैंगनी रंग इस किस्म की विशेषता है। इसके कंद आयताकार हैं जिनकी आंखें उथली होती हैं और मांस बैंगनी होता है।

इसकी औसत पैदावार 32-35 टन प्रति हेक्टेयर है। यह मध्यम पकने वाली किस्म है जो 90-100 दिन में तैयार हो जाती है।

कुफरी जामुनिया के गूदे में उच्च एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो खाने के लिए उपयुक्त है। इसमें अधिक शुष्क कंदीय पदार्थ होता है। इसकी रखने की गुणवत्ता अच्छी है।

कुफरी भास्कर को हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड के मैदानी इलाकों और उत्तर प्रदेश में शुरुआती रोपण और मध्य मैदानी क्षेत्र, जिसमें राजस्थान, गुजरात और छत्तीसगढ़ शामिल हैं, में मुख्य रोपण के लिए जारी किया गया है।

कुफरी भास्कर आलू एक गर्मी सहन करने वाली किस्म है। इसमें माइट और हॉपर बर्न कीटों के प्रति भी सहनशीलता है।

इसकी औसत पैदावार 30-35 टन प्रति हेक्टेयर है। यह जल्दी से मध्यम पकने वाली किस्म है जा 85-90 दिनों में तैयार हो जाती है।

इसे भी कोल्ड स्टोर में लंबे समय तक भंडार किया जा सकता है। कुफरी भास्कर किस्म के कंद दूधिया रंग के अंडाकार और उथली मध्यम आंखों वाले होते हैं।